**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय**

**रक्षा विभाग**

**राज्‍य सभा**

**तारांकित प्रश्‍न संख्‍या 22**

**01 दिसंबर, 2015 को उत्‍तर के लिए**

 **लापता तटरक्षक विमान**

 **\*22. श्री अविनाश पांडेः**

क्‍या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क)अब तक कितने तटरक्षक विमान लापता हुए हैं; और

(ख) ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने हेतु क्या-क्या नए सुरक्षोपाय किए गए हैं?

**उत्‍तर**

**रक्षा मंत्री (श्री मनोहर पर्रीकर)**

(क) और (ख) : एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है ।

**‘लापता तटरक्षक विमान’ के बारे में राज्य सभा में दिनांक 01 दिसंबर, 2015 को उत्तर दिए जाने के लिए तारांकित प्रश्न सं. 22 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित विवरण**

 भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) का कोई भी विमान लापता नहीं हुआ है । वर्ष 1978 में भारतीय तटरक्षक बल के अस्तित्व में आने के बाद से समुद्र में केवल दो डोर्नियर विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनाएं हुई हैं जिसमें सीजी 757 की 02 जनवरी, 1993 को पारादीप के पास हुई दुर्घटना और सीजी 791 की 08 जून, 2015 को तमिलनाडु के तट पर हाल ही में हुई दुर्घटना शामिल है ।

 इस तरह की दुर्घटनाओं से बचने के लिए सुरक्षित उड़ान हेतु मानक प्रचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) मौजूद हैं । सीजी 757 की दुर्घटना के बाद, यह प्रख्यापित किया गया कि मध्यम समुद्री सतह के ऊपर (एएमएसएल) 1000 फीट से नीचे की दूरी पर विमान ऑटो-पायलट मोड पर नहीं उड़ाए जाएंगे । इसके अलावा, ऊपर उड़ने वाले विमानों की भू-आधारित रडार द्वारा निरंतर ट्रैकिंग भी की जाती है । भारतीय तटरक्षक के नए विमान उपग्रह आधारित इमरजेंसी लोकेटर ट्रांसमिटर (ईएलटी) के अतिरिक्त, सोनार लोकेटर बीकन (एसएलबी) से भी सुसज्जित होते हैं ।

 प्रत्येक दुर्घटना से प्राप्त सबकों का संकलन किया जाता है और तदनुसार भारतीय तटरक्षक बल द्वारा उपचारात्मक कदम नियमित रूप से उठाए जाते हैं । इसके अलावा, सभी प्रचालनात्मक भारतीय तटरक्षक यूनिटों की सुरक्षा प्रणालियों की व्यापक जांच तथा मानक प्रचालन प्रक्रियाओं का पुनरीक्षण नियमित रूप से किया जाता है ।

**\*\*\*\*\***